म्हारी कुलदेवी ने घणा घणा ओलमा सा लिरिक्स

म्हारी कुलदेवी ने,
मारी जगदंबा ने,
घणा घणा ओलमा सा,
थे तो आवो नी पधारो,
म्हारे आंगणे सा।bd।

मारी कुलदेवी ने,
लाल चुनरिया सोवनी सा,
थे तो ओढ़नी चुनरिया,
हीरा मोल री सा,
मारी कुलदेवी ने,
घणा घणा ओलमा सा,
थे तो आवो नी पधारो,
म्हारे आंगणे सा।bd।

मारी कुलदेवी तो,
सिंह चढ़े ने आवती सा,
साते भैरू काला गोरा,
मैया लावती सा,
मारी कुलदेवी ने,
घणा घणा ओलमा सा,
थे तो आवो नी पधारो,
म्हारे आंगणे सा।bd।

मारी जगदंबा रे ढोल,
नगाड़ा बाजता सा,
सारी रात में मंदिरिए,
भोपा नाचता सा,
मारी कुलदेवी ने,
घणा घणा ओलमा सा,
थे तो आवो नी पधारो,
म्हारे आंगणे सा।bd।

मारी कुलदेवी विराजे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उदयपुर में सा,
दर्शन कर लो रे भाईडा,
मंदिर जोर का सा,
मारी कुलदेवी ने,
घणा घणा ओलमा सा,
थे तो आवो नी पधारो,
म्हारे आंगणे सा।bd।

मारी कुलदेवी की गाथा,
धरम गावता सा,
थे तो राखो नी सरणा में,
वे तो आवता सा,
मारी कुलदेवी ने,
घणा घणा ओलमा सा,
थे तो आवो नी पधारो,
म्हारे आंगणे सा।bd।

म्हारी कुलदेवी ने,
मारी जगदंबा ने,
घणा घणा ओलमा सा,
थे तो आवो नी पधारो,
म्हारे आंगणे सा।bd।

भजन गायक / लेखक – धर्मेंद्र तंवर।
9829202569

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com